

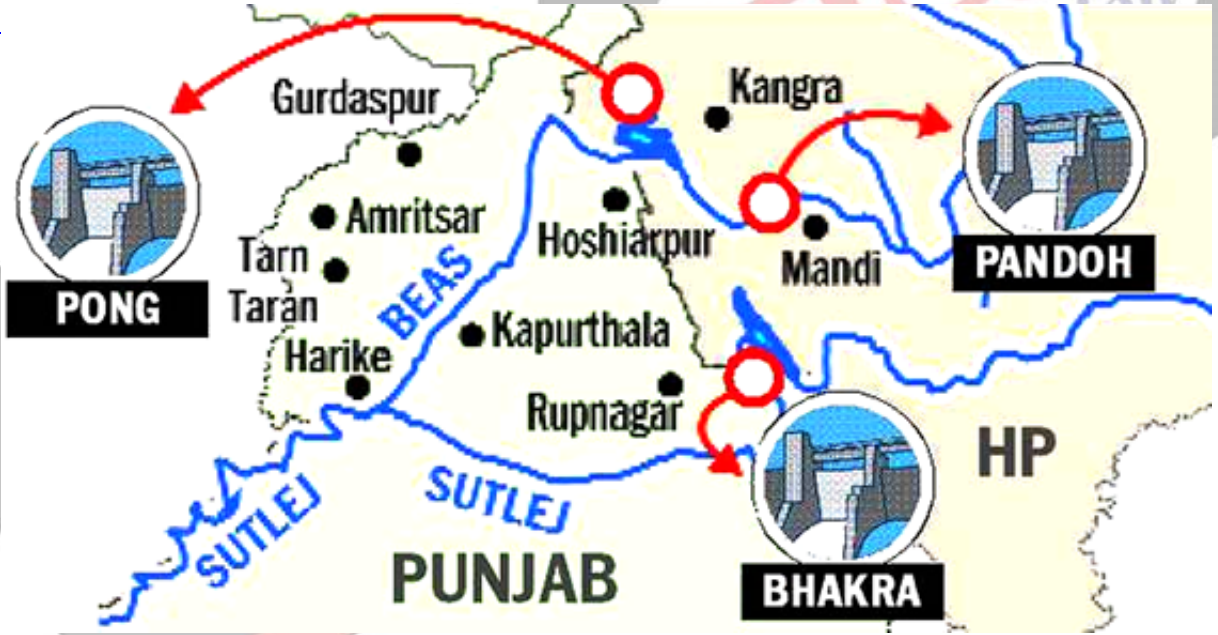
Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 28 दसिंबर, 2023

पोंग बाँध वन्यजीव अभयारण्य

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने हाल ही में एक मसौदा अधिसूचना जारी कर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले में [पोंग बाँध वन्यजीव अभयारण्य](#) की सीमाओं से एक किलोमीटर के क्षेत्र को [इको-सेंसिटिवि ज़ोन](#) घोषित किया है।

- पोंग बाँध वन्यजीव अभयारण्य [पोंग बाँध झील](#) (महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है) के आसपास स्थित है, जो [ब्यास नदी](#) पर पोंग बाँध के निर्माण के कारण बना एक मानव निर्मित जलाशय है।
 - पोंग बाँध [भारत का सबसे ऊँचा अर्थ-फलि डैम](#) है और इसका निर्माण वर्ष 1975 में किया गया था। वर्ष 1983 में, पूरे जलाशय को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
 - वर्ष 1994 में भारत सरकार ने इसे “[राष्ट्रीय महत्त्व की आरद्रभूमि](#)” घोषित किया। पोंग बाँध झील को वर्ष 2002 में [रामसर साइट](#) घोषित किया गया था।
- अभयारण्य क्षेत्र [उष्णकटबिंधीय और उपोष्णकटबिंधीय वनों](#) से आच्छादित है।

//



और पढ़ें: [पोंग बाँध वन्यजीव अभयारण्य](#)

पालना योजना

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 'पालना' योजना के तहत पूरे भारत में [ऑनवाइडी केंद्रों](#) के भीतर 17,000 क्रेच स्थापित करने की योजना बनाई है।

- इस पहल का उद्देश्य बच्चों के [संज्ञानात्मक, पोषण और स्वास्थ्य विकास](#) को बढ़ाते हुए [सुरक्षित डे-केयर सुविधाएँ](#) प्रदान करना है।
- कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी दर के साथ, [वर्ष 2022 में 37% तक पहुँचने](#) के साथ, क्रेच का यह विस्तार भावी पीढ़ियों के विकास का पोषण करते हुए महिलाओं का समर्थन करने के लिये एक ठोस प्रयास का प्रतीक है।
- [जुलाई 2022 में](#), महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने ['मशिन शक्ति'](#) के तहत [राष्ट्रीय क्रेच योजना](#) को [पालना योजना](#) में बदल दिया।
 - इस परिवर्तन से [ऑनवाइडी सह क्रेच](#) की शुरुआत हुई और मौजूदा क्रेच को पुरानी योजना से [स्टैंड अलोन क्रेच](#) के रूप में पुनर्वर्गीकृत

किया गया।

और पढ़ें: [मशिन शक्ति, आंगनवाड़ी सेवाएँ](#)

JAXA का SLIM चंद्र मशिन वश्लेषण

जापान एयरोस्पेस एकस्प्लोरेशन एजेंसी (JAXA) ने हाल ही में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उसके “**स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगटिंग मून**” (SLIM) ने चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया है, जिसका लक्ष्य चंद्रमा पर सॉफ्ट-लैंडिंग जाँच में सक्षम देशों के वशिष्ट समूह में शामिल होना है।

- यह मशिन, [HAKUTO-R मून मशिन](#), एक नजी वाणज्यिक उद्यम, के वर्ष 2023 की शुरुआत में वफिलता के बाद जापान के चंद्रमा पर नरम लैंडिंग के दूसरे प्रयास को चहिनति करता है।
- SLIM, जिसका वजन लगभग 190 किलोग्राम है, सटीक प्रौद्योगिकी का एक उदाहरण है, जिसका लक्ष्य अपने लक्ष्य स्थल, भूमध्यरेखीय क्षेत्र में शान्तीय करेटर के 100 मीटर के भीतर छूना है।

और पढ़ें: [HAKUTO-R मून मशिन](#)

भारतीय बाज़ारों में P-नोट में बढोतरी

नवंबर 2023 में, [पार्टसिपिटरी नोट](#) नविश में वृद्धि हुई, जो कुल ₹1.31 लाख करोड़ तक पहुँच गया।

- [पार्टसिपिटरी नोट्स \(P-नोट्स\)](#) वदिशी नविशकों द्वारा उपयोग किये जाने वाले वत्तीय उपकरण हैं जो [बाज़ार नयामक](#), [भारतीय प्रतभूति और वनिमिय बोर्ड \(SEBI\)](#) के साथ प्रत्यक्ष पंजीकरण किये बनिा भारतीय बाज़ारों में नविश करना चाहते हैं।
 - वे [पंजीकृत वदिशी संस्थागत नविशकों \(FIIs\)](#) अथवा उनके उप-खातों द्वारा अंतरनहिति भारतीय प्रतभूतियों के तहत जारी किये जाते हैं।
- हालाँकि P-नोट्स लचीलापन तथा नविश में सरलता प्रदान करते हैं कति वे धन-शोधन, राउंड-ट्रपिंग एवं पारदर्शिता की कमी में उनके संभावति उपयोग के बारे में चत्ताओं के कारण [नयामक जाँच का मुद्दा](#) रहे हैं।

और पढ़ें...[पार्टसिपिटरी नोट](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-28-december,-2023>